अनुक्रमांक नाम A/323

11/101/102 अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2022-2023

हिन्दी (साहित्यिक व सामान्य)

समय : 2½ घण्टे कक्षा-11 पूर्णांक : 100

नोट : *मानविकी वर्ग के छात्रों को प्रश्न संख्या 13 से 16, तथा विज्ञान और वाणिज्य वर्ग के छात्रों को प्रश्न संख्या 17 से 20 करने हैं। बाकी सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

खण्ड - 'क'

1. (क) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है- 1
(a) हंस (b) सरस्वती (c) ब्राह्मण (d) इन्दु।

(ख) 'अंधेर नगरी' किस विधा की रचना है- 1
(a) उपन्यास (b) कहानी (c) नाटक (d) यात्रावृत्त।

(ग) 'तितली' उपन्यास के रचनाकार हैं- 1
(a) अज्ञेय (b) प्रेमचन्द (c) जयशंकरप्रसाद (d) श्यामसुन्दर दास।

(घ) 'हरखू' पात्र किस कहानी से सम्बन्धित है- 1
(a) बलिदान (b) आकाशदीप (c) प्रायश्चित (d) समय।

(ङ) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं- 1
(a) अमृत राय (b) प्रेमचन्द
(c) राहुल सांकृत्यायन (d) विष्णु प्रभाकर।

2. (क) 'उद्धव शतक' किस काल की रचना है- 1
(a) आधुनिक (b) भक्तिकाल (c) आदिकाल (d) रीतिकाल।

(ख) ज्ञानमार्गी शाखा के कवि हैं- 1
(a) तुलसीदास (b) सूरदास (c) बिहारी (d) कबीरदास।

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

(ग) गोस्वामी तुलसीदास के बचपन का नाम था- 1
(a) तुकाराम (b) आत्माराम (c) सीताराम (d) रामबोला।

(घ) रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं- 1
(a) घनानन्द (b) सेनापति (c) बिहारी (d) वृन्द।

(ङ) 'कामायनी' महाकाव्य के रचयिता हैं- 1
(a) मैथिलीशरण गुप्त (b) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(c) जयशंकर प्रसाद (d) रामधारीसिंह दिनकर।

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 10

ये सब तो समाज धर्म है। जो देश काल के अनुसार शोधे और बदले जा सकते हैं। दूसरी खराबी यह हुई है कि उन्हीं महात्मा बुद्धिमान ऋषियों के वंश के लोगों ने अपने बाप-दादों का मतलब न समझकर बहुत से नए-नए धर्म बनाकर शास्त्रों में धर दिए। बस सभी तिथि व्रत और सभी स्थान तीर्थ हो गए। सो इन सभी बातों को अब एक बेर आँख खोलकर देख और समझ लीजिए कि फलानी बात उन बुद्धिमान ऋषियों ने क्यों बनाई और उनमें जो देश और काल के अनुकूल और उपकारी हों उनको ग्रहण कीजिए। बहुत-सी बातें जो समाज विरुद्ध मानी जाती हैं, किन्तु धर्मशास्त्रों में जिनका विधान है उनको चलाइए।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम बताइए।

(ख) लेखक के अनुसार हमारे सामाजिक धर्म क्या हैं तथा पूर्वजों ने इन्हें क्यों बनाया है?

(ग) हमें किन नियमों को स्वीकार करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

(पृष्ठ पलटिए)

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ङ) 'शोधे' और 'एक बेर' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मनुष्य का जीवन इतना विशाल है कि उसमें आचरण को रूप देने के लिए नाना प्रकार के ऊँच-नीच और भले-बुरे विचार, अमीरी और गरीबी, उन्नति और अवनति इत्यादि सहायता पहुँचाते हैं। पवित्र अपवित्रता उतनी ही बलवती है, जितनी कि पवित्र और पवित्रता। जो कुछ जगत् में हो रहा है वह केवल आचरण के विकास के अर्थ में हो रहा है। अन्तरात्मा वही काम करती है जो बाह्य पदार्थों के संयोग का प्रतिबिम्ब होता है। जिनको हम पवित्रात्मा कहते हैं, क्या पता है, किन-किन कूपों से निकलकर वे अब उदय को प्राप्त हुए हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने क्या स्पष्ट किया है?
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) महान् कैसे बना जा सकता है? पवित्रता की शक्ति की गहन अनुभूति कैसे प्रारम्भ हो जाती है?
(घ) "अन्तरात्मा वही काम करती है, जो बाह्य पदार्थों के संयोग का प्रतिबिम्ब होता है" आशय स्पष्ट कीजिए।
(ङ) 'अवनति' और 'कूप' के शब्दार्थ लिखिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 10

बलिहारी गुर आपणैं, द्यौं हाड़ी कै बार।
जिनि मानिष तैं देवता, करत न लागी बार॥
सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार॥

www.modelpaper.info & priyansindhuclasses.com

(क) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ख) कवि किस पर न्योछावर होना चाहता है और क्यों?
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(घ) दिए गए पद्यांश में किस रस की अभिव्यक्ति हुई है?
(ङ) 'लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार' में अलंकार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हमार हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नन्द-नन्दन उर, यह दृढ करि पकरी॥
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी॥
म तौ ब्याधि हमकौं ले आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ सूर तिनहिं लौ सौंपौ, जिनके मन चकरी॥

(क) गोपियों के लिए श्रीकृष्ण किसके समान हैं तथा उन्होंने श्रीकृष्ण को अपने हृदय में किस प्रकार बसाया हुआ है?
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) "जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
(घ) गोपियों ने बीमारी किसे कहा तथा इस बीमारी को वे किन्हें सौंप देने को कहती हैं?
(ङ) 'हमारे हरि हारिल की लकरी' में अलंकार स्पष्ट कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उसकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए - 5
(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(iii) सरदार पूर्णसिंह।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उसकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए - 5
(i) कबीरदास (ii) सूरदास।

6. 'बलिदान' अथवा 'आकाशदीप' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए अथवा प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

7. स्वपठित नाटक के आधार पर नाटक का सारांश अथवा उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 5

खण्ड - 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 7

भारतवर्षस्य उत्तरप्रदेशराज्ये प्रयागस्य विशिष्टं स्थानमस्ति। अत्र ब्रह्मणः प्रकृष्टयागकरणात् अस्य नाम प्रयागः अभवत्। गङ्गा-यमुनयोः सङ्गमे सितासितजले स्नात्वा जनाः विगतकल्मषा भवन्ति इति जनानां विश्वासः। अमायां पौर्णमास्यां सङ्क्रान्तौ च स्नानार्थिनामत्र महान् सम्मर्दः भवति। प्रतिवर्षं मकरं गते सूर्ये माघमासे तु अनेकलक्षाः जनाः अत्र आयान्ति मासमेकमुषित्वा च सङ्गमस्य पवित्रेण जलेन, विदुषां महात्मनामुपदेशामृतेन च आत्मानं पावयन्ति।

अथवा

ऋषेः भरद्वाजस्य आश्रमः अपि अत्रैव आसीत्। यत्र पुरा दशसहस्रमिताः विद्यार्थिनः अधीतिनः आसन। पितुः आज्ञां पालयन् पुरुषोत्तमः श्रीरामः अयोध्याया वनं गच्छन् 'कुत्र मया वस्त्रव्यम्' इति प्रष्टुम् अत्रैव भरद्वाजस्य समीपम् आगतः। चित्रकूटमेव त्वन्निवासयोग्यम् उचितं स्थानम् इति तेनादिष्टः रामः सीतया लक्ष्मणेन च सह चित्रकूटम् अगच्छत्।

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

(ख) दिए गए संस्कृत पद्यांश/श्लोक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 7

ईशावास्यमिदं सर्वं यत् किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद् धनम्॥

अथवा

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्द्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्॥

9. निम्न विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए- 9
(i) मेरा प्रिय कवि (ii) को न कुसंगति पाई नसाई
(iii) वन रहेंगे हम रहेंगे (iv) विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा
(v) विज्ञानः वरदान या अभिशाप (vi) यदि मैं प्रधानाचार्य होता।

10. (क) 'वीर' अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा सोदाहरण दीजिए। 2
(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'यमक' अलंकार की परिभाषा सोदाहरण दीजिए। 2
(ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द की परिभाषा सोदाहरण दीजिए। 2

11. (क) 'सज्जनः' का सन्धि-विच्छेद होगा- 1
(a) सत्+जनः (b) सद्+जनः (c) सज्ज+नः (d) सज्+जनः

(ख) 'भावुकः' का सन्धि-विच्छेद होगा- 1
(a) भौ+उकः (b) भो+उकः (c) भव+उकः (d) भाव+उकः

(पृष्ठ पलटिए)

(ग) 'गुरो+अनु' की सन्धि होगी- 1
(a) गुरवनु (b) गुरोऽनु (c) गुरवनु (d) गुरोरनु

12. (क) 'नाम्ने' रूप है 'नामन्' शब्द का- 1
(i) सप्तमी, एकवचन (ii) चतुर्थी, एकवचन
(iii) पंचमी, एकवचन (iv) प्रथमा, द्विवचन

(ख) निम्न में से किसी एक का वचन और विभक्ति लिखिए। 1
आत्मनः, नामसु।

(मानविकी वर्ग के लिए)

13. निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- 4
(क) प्रयागस्यः नाम 'प्रयागः' कथम् अभवत्?
(ख) वयं कथं जीवनं यापयेम?
(घ) यत्नेन किं संरक्षेत्?

14. (क) निम्न में से किसी एक शब्द का विग्रह करके समास का नाम लिखिए- 2
अधिहरि, महादेवः, कुपुत्रः

(ख) 'पिबति' अथवा 'अनयत' शब्द किस धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का रूप है? 2

15. (क) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों के प्रत्यय लिखिए- 2
श्रीमती, पीतः, प्रभुत्व, गतम्

(ख) निम्न में से किसी एक में रेखांकित पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए - 2
(i) देवदतः अक्ष्णाः काणः। (ii) ग्रामं अभितः वृक्षाः सन्ति।

16. निम्न में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए- 4
(i) हमें नित्य पढ़ना चाहिए। (ii) तालाब में कमल खिलते हैं।
(iii) यह मेरा विद्यालय है। (iv) मैं कल दिल्ली जाऊँगा।

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

(विज्ञान व वाणिज्य (सामान्य) वर्ग के लिए)

17. निम्न मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए - 2
(i) अपना हाथ जगन्नाथ (ii) आधा तीतर आधा बटेर
(iii) आँख का तारा (iv) ऊँची दूकान फीके पकवान।

18. (क) निम्न में से किसी एक शब्द-युग्म के दोनों शब्दों के अर्थ लिखिए - 2
(i) अविराम-अभिराम (ii) भवन-भुवन।

(ख) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए - 2
(i) पानी (ii) कनक (iii) कर।

(ग) निम्न वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए - 2
(i) जिसका कोई शत्रु पैदा न हो (ii) जो अधिक बोलता हो।

19. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए - 2
(i) आपका स्वास्थ कैसा है? (ii) मुझे भारी दुःख हुआ।
(iii) पति-पत्नी आई हैं। (iv) तेरे को क्या चाहिए?

20. किसी विद्यालय के प्रबन्धक के नाम हिन्दी प्रवक्ता पद के लिए अपनी नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखिए। 6

अथवा

छात्रवृत्ति प्राप्ति हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए।